/font>

Title: Need to formulate a policy to solve water problem in Bundelkhand region in Uttar Pradesh - Laid.

श्री राम सजीवन (बांदा): अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश के दक्षिणी भूभाग, जो बुंदेलखंड क्षेत्र के नाम से जाना जाता है, जिसमें बांदा और चित्रकूट आदि जिले शामिल हैं, अक्सर पानी के अभाव से त्रस्त रहते हैं। यहां गहराई तक भी भू-गर्भ जल उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण सरकारी नलकूप स्थापित करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यहां तक कि हैण्डपम्पों के लिए भी भू-गर्भ में पर्याप्त जल उपलब्ध नहीं होता। इसीलिए अधिकांश हैण्डपम्प गर्मी के दिनों में सूख जाते हैं और पेयजल के लिए हाहाकार मच जाता है। इस विकराल समस्या का एक निदान यह भी हो सकता है कि सभी छोटे-बड़े नालों-नदियों पर बांधों-बंधियों और चैक डेमों का बड़ी संख्या में निर्माण करके बरसाती जल संचय किया जा सकता है। इसी के साथ साथ इस क्षेत्र में उपलब्ध हजारों ग्राम समाज के तालाबों को ट्रैक्टर-मशीनों द्वारा गहरा कराकर बरसाती जल संचय किया जा सकता है। इस प्रकार संग्रहित जल को विविध रूपों में प्रयोग में लाया जा सकता है। इस समस्या को अकेले राज्य सरकार हल नहीं कर सकती। प्रधान मंत्री जी की सोच के अनुसार इस संबंध में एक व्यापक जल नीति बनाकर त्वरित और प्रभावी कदम उठाने की महती आवश्यकता है।

अतः केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि बुंदेलखंड क्षेत्र में, जल समस्या के निदान के लिए स्थायी जल नीति बनाकर आवश्यक कार्यवाही की जाये।